# ओ जग झूठो रे संसार जाणो सांवरिया रे घरबार लिरिक्स

ओ जग झूठो रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार,
अठे हां दो दिन का मेहमान,
किणरो करा अठे अभिमान।bd।

---

भजलो सांवरिया रो नाम,
आखिर आसी थारे काम,
थारो धरयो रेवे धन माल,
थारे रती संग नहीं जाय,
ओ जग झूठों रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार।bd।

---

मिठो बोल जगत रे माय,
थारी बातां तो रह जाय,
क्यों थारो विरथा जन्म गमाय,
इण रे ओछी उम्र रे माय,
ओ जग झूठों रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार।bd।

---

मत कर धन माया रो अभिमान,
आ तो बादलियारी छांव,
बंदे अंत समय पछताय,
थारे कछु हाथ नहीं आय,
ओ जग झूठों रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार।bd।

---

एक दिन भेजे बुलावो राम,
आपां छोड़ जावा संसार,
जोगाराम जीव समझाय,
माटी माटी में मिल जाए,
ओ जग झूठों रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ जग झूठो रे संसार,
जाणो सांवरिया रे घरबार,
अठे हां दो दिन का मेहमान,
किणरो करा अठे अभिमान।bd।

गायक – जोगाराम प्रजापत।
हाथीतला बाड़मेर 9587984999

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com